संपादकीय

सुलगते सवाल

पंजाब में सिर्फ दो दिनों में खेतों में पराली जलाने की पंद्रह सौ घटनाएं बताती हैं कि गंभीर होते संकट के बावजूद न प्रशासन जागा है और न किसान जवाबदेह हुए हैं। किसान अपनी सुविधा से इसे जलाने में लगे हैं। यही वजह है कि सुप्रीमकोर्ट को कहना पड़ा कि लोगों को यूं ही वायु प्रदूषण से मरता नहीं छोड़ा जा सकता। यह भी कि पराली जलाने वालों से किसी तरह की हमदर्दी नहीं हो सकती। वहीं दूसरी खबर हरियाणा से है कि सुप्रीमकोर्ट के निर्देशानुसार किसानों को प्रति ट्रैक्टर पराली के लिए सौ रुपये के अलावा प्रति एकड़ एक हजार रुपये देने की घोषणा की गई है। मकसद यही कि किसान खेतों में पराली न जलाएं। यहां जरूरत सिर्फ घोषणा करने की ही नहीं है बल्कि किसान को भरोसे में लेकर उसे प्रेरित करने की भी है। दरअसल, यह समझने की जरूरत है कि वक्त के साथ खेती व पशुपालन के तौर-तरीकों में बदलाव आया है, जिसके चलते पराली फालतू की चीज बन गई है। दूसरे खरीफ व रबी के फसल चक्र में समय का अंतर कम हुआ है। तीसरे न्यूनतम समर्थन मूल्य बढ़ने से धान की खेती प्रचुर मात्रा में होने लगी है। इसके अलावा केंद्र सरकार द्वारा शुरू की गई रोजगार योजनाओं के चलते पंजाब-हरियाणा में अन्य प्रदेशों के श्रमिक आने कम हो गये हैं, फलतः किसान धान की फसल काटने के बाद पराली खेत में ही जलाना मुनासिब समझता है। दरअसल, हम पराली के विकल्प तब जोर-शोर से प्रचारित करते हैं जब दिल्ली व अन्य शहरों में वायु प्रदूषण की मात्रा खतरनाक स्तर तक जा पहुंचती है। हालांकि, इसमें दिल्ली शहर के वाहनों, एयरकंडीशनर व निर्माण तथा उद्योगों का भी प्रदूषण शामिल होता है। फिर हवा सुधरने के बाद साल भर के लिये खामोशी समस्या को विकराल बनाती है।

सही मायनो में पराली संकट शासकों-प्रशासकों की व्यापक अनदेखी का नतीजा है। लगातार सुप्रीमकोर्ट की फटकार और एनजीटी की नसीहतों के बावजूद सरकारें व नौकरशाही गंभीर नजर नहीं आतीं। यही वजह है कि तमाम कोशिशों के बावजूद पंजाब में पिछले साल के मुकाबले रिकॉर्ड पराली जलायी गयी है। शीर्ष अदालत की पहल के बावजूद यदि हालात नहीं बदलते तो यह सरकारों की काहिली ही दर्शाती है। अब समय आ गया है कि उन अधिकारियों के खिलाफ सख्ती बरती जाये, जिन्हें किसानों को पराली जलाने से रोकने की जिम्मेदारी दी गई है। इस समस्या का कारगर हल निकालना सरकारों की जवाबदेही तो है ही, साथ ही योजना का क्रियान्वयन सुनिश्चित करना भी जरूरी है। समाधान ऐसा हो जो किसान को सुविधाजनक लगे। इसके लिये किसानों को प्रेरित करने की भी जरूरत है। सरकारी व गैर सरकारी संगठन रचनात्मक भूमिका निभा सकते हैं। उद्योग जगत भी पराली से ऊर्जा पैदा करने तथा उपयोगी निर्माण के विकल्प तलाशे। निःसंदेह साल-दर-साल बढ़ता वायु प्रदूषण हमारी सामूहिक नाकामी का ही ज्वलंत उदाहरण है, जिससे जनता के जीवन से खिलवाड़ जारी है। यह देश की छवि खराब करने वाली स्थिति भी है, जिसके लिये युद्धस्तर पर प्रयास किये जायें। हमें सोचना होगा कि हम नई पीढ़ी के लिये कैसा परिवेश तैयार कर रहे हैं। सवाल हमारे नीति-नियंताओं पर भी है कि वे कैसे शहरों को स्मार्ट बनाने के थोथे दावे करते रहते हैं, जबकि हम लोगों को साफ हवा-पानी तक उपलब्ध कराने में अक्षम हैं।

महंगा होने जा रहा है ट्रेनों में चाय, नाश्ता और खाना

नईदिल्ली (आरएनएस)। अगर आप ट्रेन में सफर करने के शौकीन हैं ते आपके लिए एक बुरी खबर है। जी हां..अब ट्रेनों में चाय और खाना महंगा होने जा रहा है। यानी ट्रेन में चाय और भोजन के लिए अब आपको ज्यादा पैसे खर्च करने होंगे। इस संदर्भ में रेलवे बोर्ड में पर्यटन एवं खान-पान विभाग के निदेशक की तरफ से सर्कुलर भी जारी कर दिया गया है। रेलवे बोर्ड में पर्यटन एवं खान-पान विभाग के निदेशक की तरफ से जारी सर्कुलर से पता चला है कि राजधानी, शताब्दी और दुरंतो ट्रेनों में चाय, नाश्ता और खाना महंगा होने जा रहा है। इन

ट्रेनों के टिकट लेते वक्त ही चाय, नाश्ते और खाने का पैसा भी देना पड़ता है। वहीं, दूसरी ट्रेनों में भी यात्रियों को महंगाई की मार झेलनी पड़ेगी।

राजधानी, दुरंतो और शताब्दी ट्रेनों के लिए लागू नई दरों के मुताबिक, सेकंड एसी के यात्रियों को चाय के लिए अब 10 रुपये की जगह 20 रुपये जबकि स्लीपर क्लास के यात्रियों को 15 रुपये देने होंगे। दुरंतो के स्लीपर क्लास में नाश्ता या खाना पहले 80 रुपये का मिलता था जो 120 रुपये हो जाएगा। वहीं, शाम की चाय की कीमत 20 रुपये से बढ़कर 50 रुपये होने जा रही है।

टिकटिंग सिस्टम में नए मेन्यू और शुल्क 15 दिनों में अपडेट हो जाएंगे जबकि 120 दिनों (चार महीने) के बाद इसे लागू कर दिया जाएगा। तब राजधानी के फर्स्ट एसी कोच में खाना 145 रुपये की जगह 245 रुपये में मिलेगा। संशोधित दरें न केवल प्रीमियम ट्रेनों के यात्रियों को बल्कि आम लोगों को भी प्रभावित करेंगी। रेग्युलर मेल और एक्सप्रेस ट्रेनों में ठीक-ठाक शाकाहारी भोजन 80 रुपये का मिलेगा जिसकी मौजूदा कीमत 50 रुपये है। इंडियन रेलवे कैटरिंग और टूरिज्म कॉर्पोरेशन (आईआरसीटीसी) रेल यात्रियों को एग बिरयानी 90 रुपये जबकि चिकन बिरयानी 110 रुपये में मुहैया कराएगा। रेग्युलर ट्रेनों में 130 रुपये की कीमत पर चिकन करी भी परोसा जाएगा।

सुबह की चाय के मुकाबले शाम की चाय महंगा होने को लेकर रेलवे के एक अधिकारी ने कहा कि शाम की चाय के साथ रोस्टेड नट्स, स्नैक्स और मिठाइयां आदि भी दी जाएंगी।

अब घर बैठे चैक होंगे एटीएम में कैश है या नहीं

नईदिल्ली (आरएनएस)। आज के डिजिटल युग में लोगों ने घरं में पैसे रखना बंद कर दिया है। इस वजह से पैसे निकालने के लिए एटीएम पर हम लोगों की निर्भरता बढ़ गई है। एटीएम से कैश निकालना कई बार लंबी लाइनों के चलते मुश्किल हो जाता है, तो कई बार एटीएम में पैसे नहीं होने की वजह से लोगों को और एटीएम के चक्कर काटने पड़ते हैं।

इसी असुविधा को दूर करने के लिए यूनियन बैंक ने अपने ग्राहकों की मदद के लिए यू-मोबाइल नाम का एक मोबाइल ऐप लॉन्च किया है। इससे ग्राहकों को पहले ही पता चल जाएगा कि एटीएम में कैश है या नहीं। इस काम के लिए बैंक ने जियो सर्वे की व्यवस्था की है। इसकी मदद

से मोबाइल ऐप में देखा जा सकेगा कि बैंक के किस एटीएम में कैश है और कौन सा खाली है। जिस एटीएम में पैसे होंगे उस पर हरा निशान दिखेगा, जबकि खाली वाले एटीएम में लाल निशान।

यूनियन बैंक के पूरे देश में करीब 7000 एटीएम हैं। यूनियन बैंक के इस ऐप की खासियत है कि वह 3 अलग-अलग दूरी (0-3 केएम, 3-5 केएम, 5-10 केएम) में मौजूद एटीएम को चिन्हित कर सकते हैं।

दक्षिण एशियाई खेलों के लिये ताइक्वांडो केओपन ट्रायल

नई दिल्ली। आईओए द्वारा ताइक्वांडो के लिये नियुक्त तदर्थ पैनल 13वें दक्षिण एशियाई खेलों के लिये ओपन ट्रायल का आयोजन करेगा। दक्षिण एशियाई खेल एक से नौ दिसंबर तक नेपाल में आयोजित होंगे। चयन ट्रायल औरंगाबाद भारतीय खेल प्राधिकरण केंद्र में 18 से 20 नवंबर तक किया जायेगा। इसके बाद 22 से 30 नवंबर तक कोचिंग शिविर होगा। इस साल जुलाई में भारतीय ओलंपिक संघ (आईओए) ने देश में ताइक्वांडो के मामले देखने के लिये पांच सदस्यीय तदर्थ पैनल गठित किया था जिसे छह महीने के अंदर महासंघ के चुनाव की जिम्मेदारी भी सौंपी गयी थी क्योंकि गुटबाजी के कारण खेल मंत्रालय ने राष्ट्रीय महासंघ को निलंबित कर दिया था। तदर्थ समिति के अध्यक्ष और आईओए के संयुक्त सचिव नामदेव शिरगावंकर के बयान के अनुसार विश्व रैंकिंग में शीर्ष आठ भारतीय खिलाड़ी ही चयन ट्रायल में भाग लेने के योग्य हैं।

मयंक अग्रवाल ने डबल धमाल से डॉन ब्रैडमैन को छोड़ा पीछे

» बांग्लादेश के खिलाफ टीम इंडिया को 343 रन की बढ़त

इंदौर। शानदार फॉर्म में चल रहे ओपनर मयंक अग्रवाल (243) के बेहतरीन दोहरे शतक से विश्व की नंबर एक टीम भारत ने बंगलादेश के खिलाफ पहले क्रिकेट टेस्ट मैच के दूसरे दिन शुक्रवार को छह विकेट पर 493 रन बनाकर मेहमान टीम पर अपना शिकंजा कस दिया। भारत के पास अब 343 रन की विशाल बढ़त हो गयी है। 28 वर्षीय मयंक ने विस्फोटक बल्लेबाज वीरेंदर सहवाग के अंदाज में छक्का लगाकर अपना दोहरा शतक पूरा किया और साथ ही अपना सर्वश्रेष्ठ स्कोर भी बना डाला।

मयंक ने इससे पहले दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ घरेलू सीरीज में 215 रन बनाये थे। मयंक का यह तीसरा शतक है जिसमें दो दोहरे शतक शामिल हैं। मयंक ने 330 गेंदों में 28 चौकों और आठ छक्कों की मदद से 243 रन बनाये। मयंक का यह दोहरा शतक रिकार्डों के लिहाज से भी दिलचस्प रहा। उन्होंने न केवल सहवाग स्टाइल में छक्का मारकर दोहरा शतक पूरा किया बल्कि ओपनर के रूप में सर्वाधिक दोहरे शतक बनाने के मामले में वीनू मांकड और वसीम जाफर की भी बराबरी कर ली जिनके नाम दो-दो दोहरे शतक हैं। लीजेंड ओपनर सुनील गावस्कर ने तीन और सहवाग ने छह दोहरे शतक बनाये हैं।

ब्लैकस्टोन ने फ्यूचर लाइफस्टाइल फैशंस में 1,750 करोड़ रुपये का निवेश किया

नई दिल्ली (आरएनएस)। वैश्विक निवेश फर्म ब्लैकस्टोन ने फ्यूचर लाइफस्टाइल फैशंस लिमिटेड (एफएलएफएल) में 1,750 करोड़ रुपये का निवेश किया गया है। एफएलएफएल किशोर बियानी के नेतृत्व वाली फ्यूचर समूह का हिस्सा है। कंपनी ने जानकारी दी, ''ब्लैकस्टोन ने रीका कमर्शियल वेंचर्स में 1,750 करोड़ रुपये का निवेश किया है।/ रीका कमर्शियल एफएलएफएल की धारक कंपनी है।'' ब्लैकस्टोन ने इस निवेश से एफएलएफएल में छह प्रतिशत की हिस्सेदारी हासिल की है। इस बारे में ब्लैकस्टोन टैक्टिकल अपॉर्च्युनिटीज के एशिया प्रमुख किशोर मूरजानी ने कहा, ''हम किशोर बियानी द्वारा खड़े किए गए फ्यूचर समूह के कारोबार से

प्रभावित हैं। इसलिए फ्यूचर समूह की यात्रा में सहयोग देते हुए हमें खुशी हो रही है।'' एफ एल एफ एल एक एकीकृत ब्रांडेड फैशन कंपनी है जो फ्यूचर समूह की सेंट्रल, ब्रांड फैक्टरी और प्लानेट स्पोर्ट्स जैसी श्रृंखलाओं का परिचालन करती है।

तीखी-तीखी हरी मिर्च से पाएं खूबसूरत ग्लोइंग स्किन

तीखी हरी मिर्च और वह भी स्किन की खूबसूरती के लिए सुनकर अजीब लगा ना लेकिन यह सच है। हरी मिर्च खाने से हेल्थ को कितने फायदे होते हैं इस बारे में तो आपने काफी सुना होगा लेकिन हरी मिर्च स्किन को भी कई तरह से फायदा पहुंचाते हुए उसे खूबसूरत बने रहने में मदद करने के साथ ही ग्लो बढ़ाने में भी मदद करती है। जानें कैसेः

पिंपल्स और ऐक्ने की समस्या होगी दूर- हरी मिर्च में ऐंटीऑक्सिडेंट प्रॉपर्टीज होती हैं। इससे शरीर को और स्किन को टॉक्सिन फ्री होने में मदद मिलती है। साथ ही में इसमें ऐंटीबैक्टीरियल प्रॉपर्टीज भी होती हैं। इसकी यही खासियत स्किन को भी हेल्दी रहने में मदद करते हुए उसे पिंपल फ्री और ऐक्ने फ्री रखती है।

झुर्रियों को रखे दूर- मिर्ची में मौजूद विटमिन सी कोलेजन को बढ़ाता है जो चेहरे पर आने वाली झुर्रियों और फाइन लाइन्स से लड़ने में मदद करता है।

ग्लो के लिए- हरी मिर्च ब्लड फ्लो को सही रखने में भी मदद करती है। इससे सेल्स पर पॉजिटिव असर पढ़ता है जो चेहरे पर नैचरल ग्लो बढ़ाने में भी मदद करता है।

फूल और कांटे का रीमेक बनाएंगे अजय देवगन

अजय देवगन अपनी अपकमिंग फिल्म तानाजी-द अनसंग वॉरियर के साथ बॉलिवुड में 100 फिल्मों की जर्नी पूरी करने वाले हैं। उनके इस माइलस्टोन पर बॉलिवुड के ऐक्टर्स उनको बधाई भी दे चुके हैं। फिल्मफेयर के साथ एक एक्सक्लूसिव बातचीत के दौरान उन्होंने अपनी फिल्म फूल और कांटे के रीमेक के बारे में बताया। जाहिर सी बात है इस खबर से उनके फैंस का एक्साइटमेंट बढ़

गया होगा।

अजय देवगन ने बताया कि वह अपनी पहली फिल्म फूल और कांटे (1991) का रीमेक बनाना चाहते हैं। उन्होंने फिल्मफेयर को बताया, मैंने इसको बदले हुए वक्त के हिसाब से अलग तरीके से प्रजेंट करने के बारे में सोच रखा है। मैं इसे किसी के साथ को-प्रड्यूस करूंगा। मैं किसी फ्रेश फेस की तलाश में भी हूं। अप्रोच अलग होगी लेकिन इमोशनल टेक्स्चर वैसा ही होगा।

अजय देवगन फिलहाल अपनी 100वीं फिल्म तानाजी में बिजी हैं। इस पीरियड ड्रामा फिल्म को ओम राउत ने डायरेक्ट किया है।

पीटी उषा का किरदार निभाना चाहती हैं उर्वशी रौटेला

बॉलीवुड अभिनेत्री उर्वशी रौटेला सिल्वर स्क्रीन पर उड़न परी पी टी उषा का किरदार निभाना चाहती हैं। उर्वशी ने कहा, बहुत से लोग नहीं जानते कि मैं भी एक एथलीट हूं। मैं एक राष्ट्रीय स्तर पर बास्केटबॉल चैंपियन रही हूं। मैं लड़कियों की टीम की कैप्टन थी। मैं एक खिलाड़ी हूं, इसलिए मुझे लगता है कि पी टी उषा की भूमिका के लिए मुझसे बेहतर कोई नहीं हो सकता है। मैं एक रेसर रही हूं। मैंने बहुत सी दौड़ में भी भाग लिया है और कई जीते भी हैं। इसलिए मुझे लगता है कि मैं किसी भी स्पोर्ट्स बायोपिक में फिट बैठूंगी। इसके अलावा फिल्म निर्माताओं को ट्रेनिंग में भी अपना समय बर्बाद नहीं करना पड़ेगा। उर्वशी इन दिनों अपनी आने वाली फिल्म 'पागलपंती' के प्रमोशन में व्यस्त हैं। इस फिल्म का निर्देशन अनीस बज्मी कर रहे है और यह एक कॉमेडी फिल्म है।

आज का राशिफल

मेषः- ग्रहों के द्वारा ऐसे संकेत मिल रहे हैं कि आपको इस समय हर काम को सोच समझकर और धीरे धीरे आगे बढ़ने का उपक्रम करना चाहिए।

वृषभः- अब आप अपने आपको भाग्यशाली कहने में अधिक इंतजार नहीं कर पाएंगे क्योंकि जल्दी ही भाग्य आपके ऊपर मेहरबान होने वाला है।

मिथुनः- आज के दिन आपको ऐसे लगेगा कि जैसे बुरा वक्त अब टल गया है। अपने ही लोगों के बीच में जो हालत आपको झेलनी पड़ रही है।

कर्कः- अपने कार्यक्षेत्र या व्यापार में आज आपको अपनी बेहतर स्थिति और पहचान बनाने के लिए बहुत कड़ी मेहनत करनी पड़ेगी। सिर्फ बात करने से या ऊंची ऊंची डींगे हांकने से कोई बड़ा आदमी नहीं बन जाता है।

सिंहः- जिन घरेलू समस्याओं से आप जूझ रहे हैं उनको हल करने के लिए आपको कुछ सामाजिक संपर्क और लोगों से बातचीत करनी होगी।

कन्याः- आज के दिन आपको अपने सामाजिक दायरे में उठने बैठने से विशेष सम्मान हासिल हो सकता है। दोस्तों और मित्रों के प्रभावक्षेत्र में रहकर किसी संस्था की सदस्यता लेना आपके लिए हितकर होगा।

तुलाः- इस समय आपके गिरते स्वास्थ्य पर सबकी नजर गई हुई है यह कुछ ऐसा मामला भी हो सकता है जिसमें आप स्वयं लापरवाही बरत रहे हैं।

वृश्चिकः- अपने कामकाज को संवारने में आप आज के दिन कर्म से ज्यादा भाग्य पर भरोसा रख सकते हैं। किसी के कहने पर पूजा पाठ तंत्र मंत्र का सहारा भी ले सकते हैं लेकिन यह सब एक अस्थायी उपचार है।

धनुः- आज आप किसी प्रकार के अनुबंध के कागज पत्रों में हस्ताक्षर करने के लिए आतुर रहेंगे। यदि किसी की जमानत दे रहे हों तो उसमें सावधानी रखना जरूरी है।

मकरः- आज के दिन अपने कामकाज में आपकी मजबूत स्थिति के लिए कुछ लोग आपको अपनी ओर खींचने की चेष्टा कर सकते हैं। यदि आप अपने वर्तमान कार्यक्षेत्र को गम्भीरता से लें तो कहीं और जगह जाने या भटकने की जरूरत नहीं है।

कुंभः- इस वक्त आपको समय के साथ स्वयं को भी बदलने की कोशिश करनी चाहिए। आप इन बातों पर गंभीरता से ध्यान दें तो अपने करियर में अच्छा मुकाम हासिल कर सकते हैं।

मीनः- आज आप अपने अंदर कुछ ताजगी और हल्कापन महसूस करेंगे। काफी दिनों से चल रहा मानसिक तनाव अब खुद ब खुद गायब हो रहा है।

उड़द दाल से बनाएं पूडियां...

सामग्री :

धुली उड़द दाल- 100 ग्राम, मैदा- 250 ग्राम, कलौंजी- 1/3 टीस्पून, चीनी- 1 चम्मच, तेल- तलने के लिए, नमक- स्वादानुसार

विधि :

उड़द दाल को 8-10 घंटे पानी में भिगोने के लिए रख दें और इसके बाद मिक्सचर में इसका पीस लें।

एक बाउल में मैदा, नमक, चीनी, कलौंजी एक साथ मिक्स कर लें।

अब इसमें 3 चम्मच घी या तेल भी डाल दें। इसके बाद इसमें दाल वाला मिक्सचर भी मिला लें।

अब इसमें गुनगुना पानी डालकर नरम आटा गूंद लें।

इसे सेट होने के लिए 20 मिनट के लिए कपड़े से ढ़ककर रख दें।

अब इनके छोटे-छोटे बॉल्स बना लें और इसकी पूरियां बना लें।

पैन में तेल गर्म करें और इसमें इन पूड़ियों को फ़ाई कर लें।

आलू-टमाटर की गरमा-गरम सब्जी के साथ इसे सर्व करें।

शब्द सामर्थ्य- 45

बाएं से दाएं
1. रूचिकर लगने वाली, रूचि के अनुकूल, चुनी हुई 3. राजाओं के बैठने का आसन 6. श्रमिक 7. कार्य, काज 9. वाद्ययंत्र आदि बजाने वाला 10. सहारा, सहायक वस्तु 11. शर्म, लाज, हया 12. मक्खन, माखन 14. श्रीमती राबड़ी देवी इस प्रदेश की मुख्यमंत्री हैं 15. चंद्रमा, रजनीश, चांद 18. पुस्तक 20. अवधि, समय 21. तर्क वितर्क और कहा-सुनी, जबानी झगड़ा 22. सूरत, आकार 23. झुका हुआ, नत।

ऊपर से नीचे
1. पंद्रह दिन का समय, शुक्ल या कृष्ण पक्ष 2. आग बुझाने की मशीन 3. हिंदु विवाहित स्त्री के मांग में भरने का लाल चूर्ण 4. पराजय, माला 5. मुंह ढकने का कपड़ा, घुंघट 8. चंदन, दक्षिण का एक पर्वत 10. व्यवस्थित करना, सजाना, स्वभाव आदि का परिष्कार, शुद्ध संबंधी कृत्य 12. विशालता, बड़प्पन, महान होने का भाव 13. अड़चन, रुकावट 15. जमीन के अंदर गहरा और लंबा रास्ता, अच्छे रंग का 16. बेवकूफ, मूर्ख, अहमक 17. औसत के हिसाब से 18. कृषक 19. अधिक, ज्यादा।

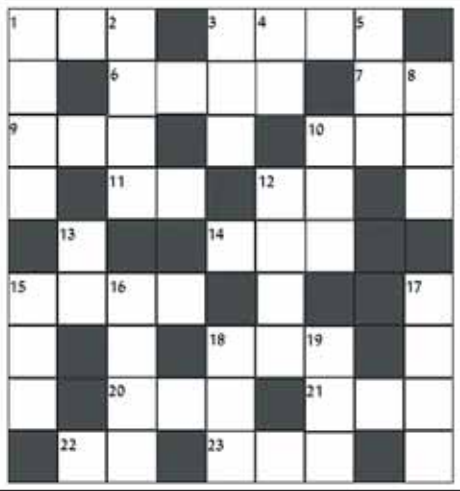

शब्द सामर्थ्य क्रमांक 44 का हल

ज	ल	■	आ	वा	जा	ही	■	■
मा	■	खू	ब	■	दू	र	स्थ	■
ना	दा	न	■	सा	ग	■	ल	क्ष्य
■	न	ख	■	त	र	ल	■	■
■	वी	रा	न	■	■	च	ट	क
■	र	ब	■	आ	ज	क	ल	■
■	■	■	आ	ग	■	दा	ना	■
■	अ	ग	र	म	ग	र	■	क्रो
भा	भी	■	ती	न	■	■	व	ध

सू-दोकू- 45

	2			6			1	
3			4			2		
							6	
6					4			
	9		5			6		1
4		3			9			2
	8		2				7	
1		2		4		9		6

नियम
1. कुल 81 वर्ग है,जिसमें 9वर्गों का एक खंड बनता है।
2. हर खाली वर्ग में 1से 9 के बीच का कोई एक अंक रख सकते है।
3. बाएं से दाएं और ऊपर से नीचे के प्रत्येक कालम,कतार और खंड में 1से9अंक में से किसी भी अंक का इस्तेमाल एक बार ही कर सकते है।

सू-दोकू क्र.44 का हल

8	7	6	9	5	1	2	3	4
1	3	9	2	8	4	5	6	7
4	5	2	3	7	6	9	1	8
2	8	5	4	6	7	1	9	3
3	1	7	8	9	2	4	5	6
6	9	4	1	3	5	7	8	2
9	4	1	6	2	8	3	7	5
7	2	8	5	1	3	6	4	9
5	6	3	7	4	9	8	2	1